University of Rajasthan

Jaipur

SYLLABUS

(Three/Four Year Under Graduate Programme)

(B.A. -Rajasthani)

I & II Semester

Examination-2025-26

As per NEP – 2020

बी.ए. – प्रथम सेमेस्टर (राजस्थानी)

प्रश्न पत्र – आधुनिक राजस्थानी काव्य

1 क्रेडिट – 25 अंक

6 क्रेडिट – 150 अंक

प्रश्न पत्र – 120 अंक

आंतरिक मूल्यांकन – 30 अंक

उद्देश्य (Objectives):–

- विद्यार्थियों की राजस्थानी भाषा एवं साहित्य में रूचि की अभिवृद्धि करना।
- विद्यार्थियों को आधुनिक राजस्थानी कवियों और उनके काव्य से परिचित करना।
- आधुनिक राजस्थानी काव्य के इतिहास (विकास एवं परम्परा) से अवगत करना।
- काव्य शास्त्र (अलंकार, काव्यगुण, शब्द–शक्तियों की जानकारी प्रदान करना)।
- विद्यार्थियों में संवेदनात्मक अनुभूति विकसित करना।

अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)

- राजस्थानी भाषा एवं साहित्य में अभिरूचि विकसित होगी।
- आधुनिक राजस्थानी काव्य के इतिहास, कवि और उनकी रचनाधर्मिता से परिचित हो सकेंगे।
- आधुनिक राजस्थानी काव्य का अर्थ ग्रहण करते हुए विश्लेषण विवेचन कर सकेंगे।
- काव्य की संवेदना में सहायक शिल्प को समझ सकेंगे।
- आधुनिक राजस्थानी काव्य में शोध की नई दृष्टि एवं सम्भावनाओं का विकास हो सकेगा।

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ,ब,स) में विभक्त है।

खण्ड–अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरी प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

खण्ड–ब के अंतर्गत प्रश्न सख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें इकाई 2, से दो अवतरण तथा इकाई 3 एवं इकाई 4 में निर्धारित पाठ से एक–एक अवतरण आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड–स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6,7,8,9 निबंधात्मक प्रश्न है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई–1

आधुनिक राजस्थानी काव्य का इतिहासः पृष्ठभूमि, विकास एंव परम्परा

अलंकार, (वैणसगाई, उपमा, अनुप्रास, स्लेष, यमक, रूपक) काव्य गुण और शब्द–शक्तियाँ

इकाई–2

बादळी (प्रकृतिपरक मुक्तक काव्य) कवि चंद्रसिंह, प्रकाशक, राजस्थानी ग्रन्थागार, सोजती (कुल 80 दोहे) गेट जोधपुर (राजस्थान) सातवां संस्करण–2009

दोहा संख्या 1 से 50 एवं दोहा संख्या 101 से 130 तक

इकाई–3

राजस्थान के कवि – प्रकाशकः राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर, राजस्थान

1. कन्हैयालाल सेठिया – माली रा मत छूत फूल तो आपा ही कुम्हलासी'
   गोरे दिन र ला र सिंज्या
   सीपी पाल पेट मे मोती
2. गणेशीलाल व्यास, उस्ताद – दीवट
   घरै आ आजा
   मत जा साथी
3. मेघराज मुकुल – चँवरी
   छिया तावड़ो
   माटी मुळकी बीज पसीज्या
4. डॉ. नारायण सिंह भाटी – पाषाण सुन्दरी

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई–4

राजस्थान के कवि : राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर, राजस्थान

1. रेवतदान चारण – बरखा बीनणी
   राजस्थानी
2. रघुराज सिंह हाड़ा – बैरण हौली आगी
   फागण आयो रे
3. सत्यप्रकाश जोशी – सोवन माछली
   ऐरण बूझे गणबीर ने
4. सुमनेश जोशी – मरण पंथ रा साथी

आंतरिक मूल्यांकन हेतु किन्ही दो विषयों पर निबन्ध लेखन 2×15 30

(नोटः विषय उपर्युक्त पाठ्यक्रम से सम्बन्धित होंगे)

संभावित विषय –

- आधुनिक राजस्थान काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों
- आधुनिक राजस्थानी काव्य की परम्परा एवं विकास
- कन्हैयालाल सेठिया की काव्य कला
- बादळी काव्य में भाव एवं शिल्प का विवेचन
- पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक कवि का परिचय एवं रचनाधर्मिता। इत्यादि

अनुशंषित ग्रन्थ

1. राजस्थानी भाषा और साहित्य का इतिहासः सीताराम लालस
   प्रकाशक : राजस्थानी शोध संस्थान, चौपासनी, जोधपुर।
2. राजस्थानी भाषा एवं साहित्य : मोतीलाल मेनारिया, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
3. बगत री बारहखड़ी : डॉ. अर्जुन देव चारण, कवि प्रकाशन बीकानेर
4. राजस्थानी भाषा और साहित्य : डॉ. कल्याण सिंह शेखावत
5. आधुनिक राजस्थानी साहित्य : भूपतिराम साकरिया

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

बी.ए. – द्वितीय सेमेस्टर (राजस्थानी)

प्रश्न पत्र – आधुनिक राजस्थानी कथा साहित्य

1 क्रेडिट – 25 अंक
6 क्रेडिट – 150 अंक
प्रश्न पत्र – 120 अंक
आंतरिक मूल्यांकन – 30 अंक

उद्देश्य (Objectives) –

- विद्यार्थियों को आधुनिक राजस्थानी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी) की परम्परा एवं विकास की जानकारी प्रदान करना।
- प्रमुख कथाकारों और उनकी रचनाधर्मिता का परिचय कराना।
- विद्यार्थियों में कल्पनाशक्ति एवं विश्लेषणात्मक योग्यता का विकास करना।
- कहानी एवं उपन्यास लेखन कला की अभिरूचि विकसित करना।

अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes) –

1. विद्यार्थी आधुनिक राजस्थानी कथा साहित्य के इतिहास की जानकारी ग्रहण कर विचार एवं तर्कशक्ति को विकसित कर सकेंगे।
2. कथा लेखन एवं उसके प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. जीवन की यथार्थ अनुभूति से परिचित हो सकेंगे।
4. आत्माभिव्यक्ति की भावना विकसित हो सकेगी तथा शोध व भावी लेखन की पृष्ठभूमि का विकास कर सकेंगे।
5. आदर्श एवं सभ्य नागरिक बन सकेंगे।

प्रश्न पत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ,ब,स) में विभक्त है।

खण्ड–अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरी प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 10 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

खण्ड–ब के अंतर्गत प्रश्न सख्या 2,3,4,5 सप्रसंग व्ख्याख्या का है, जिसमें इकाई 2 तथा इकाई 3 में निर्धारित पाठ से एक–एक अवतरण तथा इकाई 4 से दो अवतरण आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

खण्ड–स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 6,7,8,9 निबंधात्मक प्रश्न है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंक का होगा।

इकाई–1

कहानीः– परिभाषा एवं तत्व

राजस्थानी कहानी–उद्भव एवं विकास

उपन्यासः परिभाषा एवं तत्व

राजस्थानी उपन्यास–उद्भव एवं विकास

इकाई–2

'उकरास' कहानी संग्रह' :

संपादक सांवर दइया, प्रकाशक, राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, बीकानेर संस्करण, 2005

कहानियाँ

1. सूरज री मौत – अन्नाराम सुदामा
2. थे बारै जावो – करणीदान बारहठ
3. घासलेट री खुशबू – चन्द्र प्रकाश दैवल
4. पुण्याई – चेतन स्वामी
5. हिरणी – बैजनाथ पंवार

इकाई–3

6. अमूझता आखर – मीठेश निर्माही
7. राजीनांवो – विजयदान देथा
8. नीलकंठी – माधव नागदा
9. कूंपल – सवाई सिंह शेखावत
10. दया – मदन सैनी

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई–4

'हूं गोरी किण पीव री' उपन्यास, यादवेन्द्र शर्मा चन्द्र

(प्रकाशक : राजस्थानी ग्रंथागार, सोजती गेट, जोधपुर)

आन्तरिक मूल्यांकन हेतु किन्ही दो विषयों पर निबन्ध लेखन (2×15=30)

नोट – विषय उपर्युक्त पाठ्यक्रम से सम्बन्धित होंगे।

संभावित विषय

- राजस्थानी कहानी कला की विशेषताएं
- कहानी का उद्भव एवं विकास
- उपन्यास कहानी – परिभाषा – तत्व विवेचन
- संकलित कहानियों में से किसी एक की तात्विक समीक्षा
- संकलित उपन्यास के निहितार्थ विचार तत्व एवं शिल्प संयोजन
- संकलित उपन्यास की तात्विक समीक्षा
- कहानीकार की रचनाधर्मिता इत्यादि

अनुशंषित ग्रन्थ

1. राजस्थानी भाषा एवं साहित्य :	डॉ. मोतीलाल मेनारिया, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. राजस्थानी भाषा एवं साहित्य का इतिहास :	सीताराम लालस
3. राजस्थानी कहाणी: परम्परा अर विकास:	डॉ. अर्जुनदेव चारण राजस्थानी ग्रन्थागर सोजती गेट, जोधपुर
4. राजस्थानी भाषा और साहित्य :	डॉ. कल्याण सिंह शेखावत, आनंद प्रकाशन रातानाड़ा, जोधपुर
5. राजस्थानी सब्दकोष :	संपादक सीताराम लालस, राजस्थानी शोध संस्थान चौपासनी, जोधपुर
6. राजस्थानी कहाणी अर लोकजीवन :	डॉ. चेतन स्वामी
7. आधुनिक राजस्थानी साहित्य: प्रेरणा स्त्रोत और प्रवृत्तियाँ:	डॉ. किरण नाहटा

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR